मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 104, मुंबई, मंगलवार, 24 मई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

मंकीपॉक्स का खतरा

बीएमसी ने कस्तूरबा अस्पताल में पृथक वार्ड किया तैयार

15 दिन में 15 देशों तक पहुंचा मंकीपॉक्स

मुंबई। कुछ देशों से मंकीपॉक्स के मामले सामने आने के बाद मुंबई के नगर निकाय ने यहां के कस्तूरबा अस्पताल में संदिग्ध मरीजों को पृथक रखने की व्यवस्था के तहत 28 बिस्तरों वाला एक वार्ड तैयार रखा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के जन स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक मुंबई में मंकीपॉक्स के किसी भी संदिग्ध मरीज या पुष्ट मामले की कोई सूचना नहीं मिली है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

लक्षण मिलने पर बेल्जियम-ब्रिटेन में क्वारैंटाइन जरूरी, मुंबई में भी संदिग्ध मरीज आइसोलेट होंगे

क्या है मंकीपॉक्स, कैसे फैलता है?

- मंकीपॉक्स एक वायरल इन्फेक्शन है, जो पहली बार 1958 में कैद किए गए बंदर में पाया गया था। 1970 में पहली बार इंसान में इसके संक्रमण के पुष्टि हुई थी। इसका वायरस चेचक के वायरस के परिवार का ही सदस्य है।
- मंकीपॉक्स का संक्रमण आंख, नाक और मुंह के जरिए फैल सकता है। यह मरीज के कपड़े, बर्तन और बिस्तर को छूने से भी फैलता है। इसके अलावा बंदर, चूहे, गिलहरी जैसे जानवरों के काटने से या उनके खून और बॉडी फ्लुइड्स को छूने से भी मंकीपॉक्स फैल सकता है।
- डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मंकीपॉक्स के लक्षण संक्रमण के 5वें दिन से 21वें दिन तक आ सकते हैं। शुरूआती लक्षण फ्लू जैसे होते हैं। इनमें बुखार, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, कमर दर्द, कंपकंपी छूटना, थकान और सूजी हुई लिम्फ नोड्स शामिल हैं। इसके बाद चेहरे पर मवाद से भरे दाने उभरने लगते हैं, जो शरीर के दूसरे हिस्सों में भी फैल जाते हैं और कुछ दिन बाद सूखकर गिर जाते हैं।

अब तक इन देशों में फैला मंकीपॉक्स

ब्रिटेन, अमेरिका, इटली, स्वीडन, फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, बेल्जियम, नीदरलैंड्स, इजराइल, ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड में मंकीपॉक्स के केस सामने आए हैं। केवल 2 हफ्तों में ही मामलों की संख्या 100 के पार जा चुकी है। हालांकि, इस बीमारी से अब तक एक भी मौत नहीं हुई है।

भारत सरकार भी एक्शन मोड में

मंकीपॉक्स को लेकर केंद्र सरकार की चिंता भी बढ़ गई है। तेजी से फैलते संक्रमण को देखते हुए नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (NCDC) और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) को अलर्ट जारी किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मंकीपॉक्स प्रभावित देशों की यात्रा करके लौटे किसी भी बीमार यात्री को तुरंत आइसोलेट करें और सैंपल जांच के लिए पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (NIV) को भेजें।

गर्भवतियों और बच्चों को ज्यादा खतरा

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मंकीपॉक्स जैसा दुर्लभ संक्रमण वैसे तो अपने आप ही ठीक हो जाता है, लेकिन यह कुछ लोगों में गंभीर साबित हो सकता है। ऐसे लोगों में छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और बेहद कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग शामिल हैं। 5 साल से छोटे बच्चे इसकी चपेट में जल्दी आते हैं। डब्ल्यूएचओ इस बात से भी चिंता में है कि जिन लोगों में मंकीपॉक्स की पुष्टि हो रही है, उनमें से ज्यादातर लोगों का अफ्रीकी देशों से कोई कनेक्शन नहीं है। दरअसल, यह वायरस ज्यादातर मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों में पाया जाता है।

ऋषभ पंत को लगा 1.63 करोड़ का चूना

हरियाणा के पूर्व क्रिकेटर ने की धोखाधड़ी, महंगी लग्जरी घड़ियों को सस्ते में खरीदने का दिया झांसा

मुंबई। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को लग्जरी घड़ियां सस्ते दामों पर खरीदने के चक्कर में 1.63 करोड़ रुपए का चूना लग गया है। उनसे धोखाधड़ी करने वाला आरोपी हरियाणा का पूर्व क्रिकेटर मृणांक सिंह है। मृणांक एक बिजनेसमैन से 6 लाख रुपए ठगने के आरोप में पहले ही मुंबई के आर्थर रोड जेल में बंद है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मृणांक एक बिजनेसमैन से 6 लाख रुपए ठगने के आरोप में पहले ही मुंबई के आर्थर रोड जेल में बंद है

ममता बनर्जी ने केंद्र पर साधा निशाना

कहा- भाजपा का शासन हिटलर और स्टालिन से भी बदतर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रहती हैं। अब उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्य के मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। इतना ही नहीं कोलकाता में उन्होंने दावा किया कि भगवा पार्टी का शासन एडॉल्फ हिटलर,जोसेफ स्टालिन या बेनिटो मुसोलिनी से भी बदतर है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ईंधन दरों में कटौती को लेकर दी ये टिप्पणी

ईंधन दरों में कटौती और उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को रसोई गैस पर 200 रुपए की सब्सिडी पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों से पहले ऐसा करती है। उज्ज्वला योजना के तहत बीपीएल श्रेणी का एक छोटा सा हिस्सा ही है। गरीब लोग 800 रुपए की कीमत पर घरेलू गैस कैसे खरीदेंगे?

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

5जी की ओर

भारत 5जी प्रौद्योगिकी की ओर कदम बढ़ा चुका है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में स्थापित एक परीक्षण नेटवर्क पर पहली 5जी कॉल की, तब भारत ने संचार के क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी हासिल की। यह परीक्षण सफल रहा, यानी आने वाले समय में भारत में 5जी सेवाओं का विस्तार तेजी से होगा। सबसे अच्छी बात है कि इस तकनीक के विकास में हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का ही सर्वाधिक योगदान है। तकनीकी विकास में जितनी तेजी आएगी, भारत के विकास को उतना ही बल मिलेगा। वैसे भी यह ध्यान देने की बात है कि इस तकनीक में भारत दुनिया में विकसित देशों से पीछे चल रहा है। कुछ देशों में साल 2019 से ही 5जी की शुरूआत हो चुकी है। एक अनुमान है कि साल 2025 तक दुनिया में एक अरब से ज्यादा लोग 5जी का इस्तेमाल करने लगेंगे, लेकिन तब तक 6जी की उपलब्धता भी बढ़ जाएगी। दरअसल, कोरोना महामारी की वजह से 5जी तकनीक के मामले में देरी हुई है। पिछले साल ही यह घोषणा हुई थी कि 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी 2022 के अप्रैल से मई के आसपास होगी। लेकिन इस काम में कुछ देरी हुई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इस साल की शुरूआत में बजट पेश करते हुए स्पेक्ट्रम नीलामी की बात कही थी। आशा है कि बहुत जल्दी ही पांचवीं पीढ़ी की इन सेवाओं के लिए नीलामी का आयोजन होगा और कुछ ही महीनों में 5जी सेवा आम लोगों के हाथों में पहुंच जाएगी। भारत इस कोशिश में है कि इन सेवाओं के मामले में किसी भी देश पर हमारी निर्भरता न रहे और तकनीक हर स्तर पर स्वदेश आधारित हो। आज सूचनाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। तकनीक की सुदृढ़ता से ही भारत संचार को मजबूती मिलने वाली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दूरसंचार विभाग अगले सप्ताह 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल में पेश करेगा और सेवाओं की शुरूआत अगस्त या सितंबर से शुरू हो जाएगी। लोग तो यही चाहेंगे कि जल्द से जल्दी यह सुविधा हासिल हो। अच्छी बात है कि अभी संचार कंपनियां अपने स्तर पर 5जी का परीक्षण कर रही हैं और वे अपने स्तर पर सेवा देने के लिए लगभग तैयार हैं। इसमें कोई शक नहीं कि मोबाइल टेलीफोन सेवा ने लंबा और शानदार सफर तय किया है। 1970 के दशक के अंत में जापान में 1जी लॉन्च किया गया था। यह मोबाइल दूरसंचार तकनीक की पहली पीढ़ी थी, जो केवल वॉयस कॉल की सुविधा देती थी। साल 1991 में 2जी की शुरूआत के साथ तकनीक ने इतिहास रचने की शुरूआत की। दूसरी पीढ़ी में तकनीक पूरी तरह से डिजिटल हो गई। लोग फोन को लेकर घूमने लगे। फोन पर बातचीत करने के लिए एक जगह रहने की मजबूरी खत्म हो गई। वास्तव में, भारत में 2जी आज भी सबसे लोकप्रिय और सबसे उपयोगी बना हुआ है। जबकि 4जी की सेवा से एक बड़ी आबादी है, जो वंचित है। दूरसंचार कंपनियों को कुछ ऐसा करना चाहिए कि एक ही तरह की सेवा देश में सभी ग्राहकों को मिले। ऐसा न हो कि 2जी सेवा भी चलती रहे और देश का एक वर्ग 5जी पर आ जाए। कुछ कंपनियों ने 2जी से आगे बढ़ने के लिए अभियान छेड़ रखा है, लेकिन अभी भी 20 करोड़ लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। मतलब हमें सुधार की दिशा में ज्यादा तेजी से बढ़ना चाहिए और सेवाओं को किफायती रखने की कोशिश भी जारी रहनी चाहिए।

छापों से क्या राजनीति सध जाएगी?

भाजपा सत्ता में तभी आएगी, जब वह राजनीतिक पहल करेगी, नेतृत्व मजबूत करेगी, एजेंडा तय करेगी और संगठन को आगे करेगी। इस राज्य में अमुक नेता मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और उस राज्य में अमुक नेता हाथ पैर मार रहे हैं तो उससे चुनी हुई सरकारें नहीं गिरती हैं।

भारतीय जनता जिन राज्यों में मजबूत विपक्षी पार्टी है वहां केंद्रीय एजेंसियों ने कहर बरपाया हुआ है। शांति उन्हीं राज्यों में हैं, जहां भाजपा या तो सत्ता में है या बहुत कमजोर विपक्ष है और जहां निकट भविष्य में भाजपा को अपने लिए राजनीतिक संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे राज्यों में तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओड़िशा आदि राज्य हैं। लेकिन जिन राज्यों में भाजपा मजबूत विपक्ष है या निकट भविष्य में अपने लिए संभावना देख रही है उन राज्यों में केंद्रीय एजेंसियों की सक्रियता अभूतपूर्व है। उन राज्यों में सीबीआई, आयकर विभाग, ईडी और यहां तक कि एनआईए के भी धुआंधार छापे पड़ रहे हैं। ऐसे राज्यों में महाराष्ट्र, झारखंड और पश्चिम बंगाल का नाम लिया जा सकता है। बिहार में जदयू के साथ गठबंधन में भाजपा की सरकार है लेकिन वहां भी भाजपा अपने लिए मजबूत राजनीतिक संभावना देख रही है इसलिए राज्य सरकार को चैन नहीं लेने दिया जा रहा है।

झारखंड के मुख्यमंत्री, उनके भाई, उनके माता-पिता और पार्टी के अनेक विधायकों व अधिकारियों के खिलाफ अनेक किस्म के मुकदमे हुए हैं। चुनाव आयोग से लेकर हाई कोर्ट और सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता चक्कर लगा रहे हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री के भतीजे और बहू व पार्टी के कई नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच चल रही है और आए दिन पूछताछ हो रही हैं। उधर महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार में मंत्री रहे दो नेता जेल में हैं। मुख्यमंत्री के परिजनों, उप मुख्यमंत्री व उनके परिजनों और शिव सेना-एनसीपी के सांसदों, विधायकों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच चल रही है। बिहार में भाजपा और जदयू की सरकार है लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी राजद मजबूत है और अगर जदयू ने साथ छोड़ने का फैसला किया तो राजद के साथ उसका खेल जम सकता है। ऐसी कोई संभावना साकार हो उससे पहले समूचे लालू परिवार को सीबीआई ने डेढ़ दशक पुराने एक मामले में जांच के घेरे में ले लिया है। अगर कोई कहता और मानता है कि एजेंसियां स्वतंत्र हैं और रूटीन में ये सारे काम हो रहे हैं तो वह इस ग्रह का व्यक्ति नहीं है। जो हो रहा है वह सबके सामने है और मकसद भी कोई छिपा हुआ नहीं है। परंतु राजनीतिक पहल कहां है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि राजनीतिक पहल विफल होने या उसकी सफलता संदिग्ध होने की वजह से विपक्षी पार्टियों की साख बिगाड़ने, उन्हें परेशान करने और राजनीतिक अस्थिरता बनाने का प्रयास हो रहा है? ध्यान रहे एक सुनियोजित अभियान और प्रचार के दम पर विपक्ष के नेताओं को या तो भ्रष्ट या मूर्ख साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार के अच्छे कामों का प्रचार अपनी जगह है लेकिन विपक्ष के खिलाफ दुष्प्रचार का जोर ज्यादा दिख रहा है। लेकिन इसके दम पर राज्यों की राजनीति में उलटफेर कर सकना संभव नहीं लग रहा है। छापे और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई अपनी जगह है लेकिन अगर भाजपा कोई ठोस राजनीतिक पहल नहीं करेगी तब तक यह संभव नहीं है कि वह दूसरी पार्टियों की सरकार गिरा दे या चुनावी सफलता हासिल कर ले। केंद्रीय एजेंसियों के छापों से सरकारें नहीं गिरा करती हैं। अगर ऐसा होता तो बिहार में लालू प्रसाद की सरकार 1997 में गिर गई होती, जब वे सीबीआई की गिरफ्त में आए और उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया। लालू प्रसाद एजेंसियों की कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि नीतीश कुमार की अगुवाई में हुई राजनीतिक पहल से हारे थे। वह भी सीबीआई की गिरफ्त में आने के आठ साल बाद! भाजपा को यह बात समझने की जरूरत है। झारखंड में मुख्यमंत्री के परिवार और पार्टी के नेताओं के खिलाफ छापेमारी या एजेंसियों की कार्रवाई से सरकार नहीं गिरेगी। वैसे भी किसी चुनी हुई सरकर को क्यों गिराने का प्रयास होना चाहिए लेकिन अगर भाजपा ऐसा प्रयास कर ही रही है तो उसे राजनीतिक पहल करनी होगी, जैसी पहल कर्नाटक और मध्य प्रदेश में हुई थी। कर्नाटक में बीएस येदियुरप्पा की सुनियोजित योजना से सरकार गिरी थी तो मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की पहल और ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत से सरकार गिरी। ऐसी कोई स्थिति झारखंड में कहां है? झारखंड में कहां भाजपा के पास येदियुरप्पा या शिवराज हैं या कहां जेएमएम-कांग्रेस में कोई सिंधिया हो रहा है? इसी तरह महाराष्ट्र में भाजपा ने एक राजनीतिक पहल की थी और अजित पवार को साथ लेकर सरकार बनाई थी। राज्यपाल ने देवेंद्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उप मुख्यमंत्री की शपथ भी दिला दी थी। सोचें, तब क्या पवार दूध के धुले थे? तब भी उनके ऊपर सिंचाई घोटाले का आरोप था, सहकारी चीनी मिलों की गड़बड़ियों का आरोप था, सहकारी बैंकों में गड़बड़ियों का आरोप था और इसके अलावा अनेक आरोप थे। लेकिन भाजपा ने उनको साथ लेकर सरकार बना ली। जब वह राजनीतिक प्रयास विफल हो गया और अजित पवार महाविकास अघाड़ी सरकार में उप मुख्यमंत्री बन गए तो केंद्रीय एजेंसियों ने उनके और पूरे परिवार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। इन कार्रवाइयों के पीछे कोई नैतिक बल नहीं है। इसलिए हो सकता है कि तमाम आरोप सही हों लेकिन उन आरोपों पर कार्रवाई से वांछित नतीजे हासिल नहीं होंगे। चाहे झारखंड हो या महाराष्ट्र, चूंकि भाजपा की तरह से कोई ठोस राजनीतिक पहल नहीं हो रही है इसलिए सिर्फ छापों और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के दम पर कुछ भी हासिल नहीं होगा।

पश्चिम बंगाल में एक साल पहले ही ममता बनर्जी ने तीसरी बार बड़ी जीत हासिल की। उनकी तीसरी जीत पहले की दोनों जीतों से बड़ी थी, जबकि उनके परिवार और पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चुनाव के पहले से चल रही थी। जाहिर है ममता के परिवार और तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोपों में कार्रवाई का वांछित राजनीतिक नतीजा नहीं निकला। सो, अब क्या नतीजा निकलेगा? पिछले एक साल में तो भाजपा की गाड़ी पटरी से उतर गई दिख रही है। उसके नेता लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। बंगाल एकमात्र राज्य है, जहां उलटी गंगा बह रही है। पूरे देश में दूसरी पार्टियों के नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं तो बंगाल में भाजपा के सांसद और विधायक भी तृणमूल में जा रहे हैं। भाजपा को इस संकेत को समझना चाहिए। बंगाल में भाजपा के पास न कोई राजनीतिक एजेंडा है, न मजबूत संगठन है और न नेता हैं। इसलिए छापों की कार्रवाई से वहां भाजपा सत्ता में नहीं आ पाएगी। भाजपा को यह समझना होगा कि चाहे झारखंड हो या महाराष्ट्र या पश्चिम बंगाल, सिर्फ इसलिए कि इन राज्यों में भाजपा मजबूत विपक्षी पार्टी है, वह सरकार को अस्थिर करके या परेशान कर सत्ता में नहीं आ सकती है। भाजपा सत्ता में तभी आएगी, जब वह राजनीतिक पहल करेगी, नेतृत्व मजबूत करेगी, एजेंडा तय करेगी और संगठन को आगे करेगी। इस राज्य में अमुक नेता मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और उस राज्य में अमुक नेता हाथ पैर मार रहे हैं तो उससे चुनी हुई सरकारें नहीं गिरती हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शिरीन विला निवासी द्वारा कहा जा रहा है टीएमसी की जगह पर बना गार्डन पर सलीम मंसूरी द्वारा की जा रही है अवैध रूप से कब्जा

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में वैसे तो देखा जाए बच्चों के खेलने के लिए गार्डन की सुविधा पर्याप्त नहीं है की 12 लाख वाली जनसंख्या में पूरे मुंब्रा शहर में बच्चों के खेलने के लिए गार्डन तक टीएमसी द्वारा बनाए नहीं गए हैं लेकिन जहां पर 20 वर्ष से कौसा के बाईपास स्थित शिरीन विला नामी इमारत के सामने मनपा प्रशासन द्वारा बच्चों के खेलने के लिए गार्डन की सुविधा दी गई थी उसे भी हथियाने की कोशिश की जा रही है इस मामले में शिरीन विला सोसायटी के चेयरमैन अब्बास भाई द्वारा मिली जानकारी के अनुसार हमारी इमारत शिरीन विला के सामने 20 वर्षों से गार्डन बच्चों के खेलने के लिए मनपा प्रशासन द्वारा बनाया गया था लेकिन जैसी ही रास्ता रुंदीकरण का काम थाने की मनपा प्रशासन द्वारा किया जा रहा था उसी दौरान यह गार्डन की दीवार को मनपा प्रशासन द्वारा तोड़ दी गई थी जिसके कारण यह गार्डन की जगह खुल गई और उस पर कब्जा जमाने के लिए सलीम मंसूरी नाम के व्यक्ति ने यह जगह पर अवैध निर्माण इमारत बनाने की कोशिश की गई यह व्यक्ति ने यह जगह पर

अपना कब्जा जमाने के लिए फर्जी दस्तावेज दूसरी जगह के सातबारा के साथ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जबकि यह जगह टीएमसी की है यह मामला न्यायालय ने टीएमसी के हित मैं दे दिया यह जगह पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है यह जगह टीएमसी की है और सलीम मंसूरी केस हार गया हम लोगों ने टीएमसी से यह मांग की है कि हम लोगों को यहां पर दोबारा बच्चों के खेलने के लिए गार्डन बना कर दिए जाए लेकिन यह व्यक्ति द्वारा दबंगई के कारण जबरन मिट्टी डालने का काम किया जा रहा है हालांकि हमने इसकी शिकायत मुंब्रा पुलिस स्टेशन में भी की और मुंब्रा प्रभाग समिति में लिखित रूप से शिकायत की गई लेकिन अब तक किसी प्रकार की कोई रोकथाम होती हुई नजर नहीं आ रही है क्योंकि यह व्यक्ति निडरता से टीएमसी की गार्डन की जगह पर मिट्टी डालने का काम किया जा रहा है हम शिरीन विला सोसाइटी के निवासी पुलिस आयुक्त के आला अधिकारी से निवेदन करते हैं कि यह पूरे मामले का संज्ञान ले और सलीम मंसूरी द्वारा डाली जा रही अवैध तरीके से टीएमसी गार्डन की जगह पर मिट्टी भरने के काम पर रोकथाम लगाई जाए इमारत के रहवासियों द्वारा पुलिस के आला अधिकारियों और थाने की मनपा प्रशासन के अधिकारियों से निवेदन किया जा रहा है कृपा यह बच्चों का खेलने का गार्डन है बच्चों से यह गार्डन कोई भी कीमत में ना छीना जाए इसे गार्डन ही बने रहने दीजिए कोई भी भू माफिया को इस पर कब्जा करने नहीं दिया जाए यह आप लोगों से निवेदन है।

भगवान राम नहीं चाहते कि राज अयोध्या जाएं, सपा नेता अबु आजमी का हमला

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अबू आजमी ने दावा किया है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने अपनी अयोध्या यात्रा डर के कारण स्थगित कर दी। अबू आजमी ने दावा किया कि वह बाद में भी उत्तर प्रदेश के उस शहर में नहीं जाएंगे क्योंकि उनमें हिम्मत नहीं है। महाराष्ट्र में सपा के अध्यक्ष आजमी ने यह भी कहा कि ठाकरे ने अपनी एक सर्जरी की बात कही थी जो अयोध्या यात्रा को टालने का एक बहाना थी। अबू आजमी ने रविवार को पुणे में संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे की पार्टी ने पूर्व में महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों के खिलाफ कथित रूप से हिंसक विरोध प्रदर्शन किया था। अब उनकी बोई गई नफरत का जवाब नफरत के साथ

दिया जा रहा है। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राज ठाकरे की पांच जून को प्रस्तावित अयोध्या यात्रा का विरोध किया था।

राज ठाकरे की अयोध्या यात्रा कैंसल

राज ठाकरे ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि उनकी अयोध्या यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। रविवार को पुणे में एक रैली को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने दावा किया कि उनकी प्रस्तावित अयोध्या यात्रा को लेकर हुए राजनीतिक घटनाक्रम उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को कानूनी जाल में फंसाने के लिए एक चाल थी। इसीलिए उन्होंने अपनी यात्रा को स्थगित करने का फैसला किया। एमएनएस प्रमुख ने यह भी खुलासा किया कि वह पैर और कमर में दर्द से पीड़ित हैं और एक जून को उनके कूल्हे की हड्डी की सर्जरी होनी है। ठाकरे पर निशाना साधते हुए आजमी ने कहा, राज ठाकरे चिंतित हैं, उनकी राजनीति खत्म हो गई है। उन्होंने दावा किया कि मनसे नेता को (राजनीति में) कोई भी व्यक्ति महत्व नहीं देता।

सर्जरी और बाकी बातें बहाना हैं: मुंबई से सपा विधायक आजमी ने दावा किया, वह नहीं जाएंगे। उनमें हिम्मत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की भूमि हिंदुओं के लिए पवित्र है। उन्होंने ठाकरे से पूर्व में एमएनएस कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के माध्यम से उत्तर भारतीयों को पीटने और अपमानित करने के बारे में सवाल किया। आजमी ने कहा, मुझे लगता है कि भगवान राम नहीं चाहते कि वह (अयोध्या) जाएं ... सर्जरी और बाकी बातें तो बहाने हैं। उसके पास हिम्मत ही नहीं है। वह शत-प्रतिशत डरे हुए हैं। अगर आप नफरत बोते हैं तो आपको नफरत ही मिलेगी। इसलिए वह डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई कथित तौर पर ठाकरे के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में उसके एक सांसद (सिंह) एमएनएस प्रमुख के अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को ठाकरे के संबंध में अपनी नीति तय करनी चाहिए।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मंकीपॉक्स का खतरा

पशुओं से फैलने वाले संक्रामक रोग के बारे में जारी एक परामर्श में बीएमसी ने कहा कि हवाई अड्डे के अधिकारी इस बीमारी से प्रभावित और गैर-प्रभावित देशों, जहां इसका प्रकोप बढ़ने की आशंका है, वहां से आने वाले यात्रियों की जांच कर रहे हैं। परामर्श में कहा गया है, संदिग्ध मरीजों को पृथक रखने के लिए कस्तूरबा अस्पताल में एक अलग वार्ड (28 बेड) तैयार किया गया है और उनके नमूने पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) को जांच के लिए भेजे जाएंगे। मुंबई में सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को सूचित किया गया है कि वे मंकीपॉक्स के किसी भी संदिग्ध मामले के बारे में कस्तूरबा अस्पताल को सूचित करें और ऐसे मरीजों को वहां भेजें। बीएमसी के परामर्श के अनुसार, मंकीपॉक्स पशुओं से फैलने वाला वायरल संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में होता है और कभी-कभी अन्य क्षेत्रों में संक्रमण के मामले देखे गए हैं। परामर्श में बताया गया है, मंकीपॉक्स में आमतौर पर बुखार, दाने निकलने और सूजन जैसे लक्षण दिखते हैं और इससे चिकित्सा संबंधी कई जटिलताएं हो सकती हैं। बीएमसी ने कहा कि ये लक्षण आमतौर पर दो से चार सप्ताह तक दिखते हैं और धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं। कभी कभी मामले गंभीर हो सकते हैं और इस रोग से मृत्यु दर 1-10 प्रतिशत तक है। यह बीमारी जानवरों से इंसानों में और फिर इंसान से इंसान में फैल सकती है। परामर्श में कहा गया है, वायरस कटी-फटी त्वचा (भले ही दिखाई न दे), श्वास नली या श्लेष्मा झिल्ली (आंख, नाक या मुंह) के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है। परामर्श के मुताबिक पशु-से-मानव में वायरस का संचरण काटने या खरोंच, बुशमीट (जंगली जानवरों के मांस), शरीर के तरल पदार्थ या जख्मों के सीधे या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने जैसे कि संक्रमित व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर के संपर्क में आने से फैल सकता है। माना जाता है कि मानव-से-मानव में संक्रमण मुख्य रूप से बड़ी श्वांस कणों के माध्यम से होता है, जिन्हें आमतौर पर लंबे समय तक निकट संपर्क की आवश्यकता होती है। मंकीपॉक्स का रोग पनपने की अवधि आमतौर पर 7 से 14 दिनों की होती है, लेकिन यह 5-21 दिनों तक भी हो सकती है और इस अवधि के दौरान व्यक्ति आमतौर पर संक्रामक नहीं होता है। परामर्श में कहा गया है, एक संक्रमित व्यक्ति दाने दिखने से 1-2 दिन पहले तक बीमारी फैला सकता है और तब तक संक्रामक बना रह सकता है जब तक कि सभी दाने मुरझा कर ठीक नहीं हो जाएं।

ऋषभ पंत को लगा 1.63 करोड़ का चूना

खबर के मुताबिक, ऋषभ पंत को मृणांक सिंह ने करोड़ों की कीमत वाली महंगी लग्जरी घड़ियां सस्ते दामों पर दिलाने का लालच देकर अपने जाल में फंसाया था। ऋषभ उससे फ्रेंक मुलर वैनगार्ड सीरीज की क्रेजी कलर वॉच 36 लाख 25 हजार रुपए और और रिचर्ड मिली वॉच 62 लाख 60 हजार रुपए में खरीदना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने एडवांस पेमेंट भी किया था। इस मामले में ऋषभ पंत के साथ उनके मैनेजर पुनीत सोलंकी ने भी मृणांक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। सोलंकी के अनुसार मृणांक ने बाउंस चेक के जरिए उनसे ठगी की है। ऋषभ पंत की शिकायत के मुताबिक मृणांक सिंह ने उन्हें जनवरी 2021 में सस्ती कीमतों पर महंगी लग्जरी घड़ियां दिलाने की बात कहकर धोखा दिया। शिकायत में कहा गया है कि मृणांक ने पंत को लग्जरी घड़ियों, बैग और ज्वेलरी खरीदने-बेचने का बिजनेस शुरू करने की बात बताई और उन्हें भरोसे में लेने के लिए कई दूसरे ऐसे क्रिकेटर्स के रेफरेंस भी दिए जिन्होंने उससे चीजें खरीदी हैं। मृणांक ने ऋषभ पंत और उनके मैनेजर को बताया कि वो लग्जरी घड़ियां और अन्य चीजें उन्हें काफी सस्ते दामों पर दिलवा सकता है। घड़ियों के एडवांस पेमेंट के अलावा पंत ने मृणांक को करीबन 66 लाख रुपए की कीमत के लग्जरी सामान और ज्वेलरी भी रिसेल के लिए दिया था।

ममता बनर्जी ने केंद्र पर साधा निशाना

इस दौरान उन्होंने मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए केंद्रीय एजेंसियों को स्वायत्तता दी जानी चाहिए। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने हमला करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राज्य के मामलों में दखल देने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। भाजपा सरकार देश के संघीय ढांचे को चरमरा रही है। उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि देश में तुगलकी शासन लागू है। ममता बनर्जी ने कहा कि एजेंसियों को स्वायत्तता दी जानी चाहिए और बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के निष्पक्ष रूप से काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

सिनेबस्टर मैगजीन के ओनर रॉनी रॉड्रिग्स डॉ तानिया संदीप झा व डॉ विवेक आदित्य मिश्रा की शादी में हुए शामिल

मुंबई। रॉनी रॉड्रिग्स, पर्ल समूह की कंपनियों के मालिक और सिनेबस्टर पत्रिका के प्रकाशक और प्रधान संपादक पवई मुंबई के वेस्टिन होटल में उस समय स्पॉट किए गए जब वह 22 मई की शाम को यहां मुख्य अतिथि के रूप में संदीप झा की बेटी डॉ तानिया संदीप झा और डॉ विवेक आदित्य मिश्रा की शादी अटेंड करने गए थे। आपको बता दें कि इस शुभ अवसर पर बिहार सरकार के मिनिस्टर ऑफ इंडस्ट्रीज सय्यद शाहनवाज हुसैन और एक्टर रवि किशन भी गेस्ट के रूप में मौजूद थे। सभी ने दूल्हा दुल्हन को शादी की ढेर सारी बधाई दी। गौरतलब है कि रॉनी रॉड्रिग्स बेहद व्यस्त रहते हैं। उनका शेड्यूल काफी टाइट होता है। वह पर्ल ग्रुप की कंपनियों के ओनर हैं साथ ही विख्यात मैगजीन सिनेबस्टर के पब्लिशर और एडिटर इन चीफ भी हैं। मगर मिस्टर रॉनी रॉड्रिग्स एक सामाजिक व्यक्ति भी हैं, वह रिश्तों और दोस्ती को निभाना जानते हैं, अपने बिजी शेडयूल में से समय निकाल कर संदीप झा की बेटी डॉ तानिया संदीप झा और डॉ विवेक आदित्य मिश्रा की शादी में शामिल हुए। यह विवाह समारोह का एक भव्य आयोजन था, जहां मेहमानों का शाही अंदाज में स्वागत किया गया। तरह तरह के पकवानों और लजीज खानों के साथ साथ यहां म्युजिक का भी इंतेजाम था। संदीप झा की बेटी डॉ तानिया संदीप झा दुल्हन के रूप में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं वहीं डॉ विवेक आदित्य मिश्रा दूल्हे बनकर काफी खुश थे। दोनों की जोड़ी अच्छी लग रही थी। बेहतरीन सजावट और आकर्षक रौशनी के बीच यहां शादी की तमाम रस्में हुईं। यहां आए सभी मेहमानों के लिए यह एक यादगार शादी रही।

कानपुर में राष्ट्रीय स्तर का बोट क्लब बनकर तैयार

मण्डलायुक्त डा. राजशेखर लेने पहुंचे जायजा

संवाददाता/प्रकाश वीर आर्य

कानपुर। बोट राइड एवम जल क्रीड़ा के रोमांचक गतिविधियों के लिए कानपुर बोट क्लब एवम जल क्रीड़ा केंद्र कई वर्षो के प्रयासों से अब उद्घाटन के लिए तैयार है। उद्घाटन से पूर्व नदी पर्यटन एवम जल क्रीड़ा के रोमांचक इवेंट्स के प्रदर्शन आयोजन 12 जून 2022 को गंगा बैराज बोट क्लब में किए जाएंगे। नदी पर्यटन एवम रोमांचक जल क्रीड़ा एक विशेष कार्य क्षेत्र है जो तैयारी से लेकर आयोजन तक इस क्षेत्र की राष्ट्रीय संस्थाओं अथवा उनकी प्रदेश शिकायी या इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के देखरेख में ही आयोजित किए जाते है। 12 जून के ट्रायल आयोजन की तैयारी के संदर्भ में बोट क्लब गंगा बैराज में आयुक्त डॉक्टर राजशेखर ने नीरज श्रीवास्तव सचिव बोट क्लब तथा समन्वयक उच्च स्तरीय सयुक्त विकास समिति उत्तर प्रदेश कयाकिंग एवम कनोयिंग एसोसिएशन के सचिव डी पी सिंह, उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुमित घोष एवम एस एम भट्ट तथा यूपी पुलिस स्पोर्ट्स के राम निरंजन तथा नदी अभियान एवम-जल क्रीड़ा के अन्य अनुभवी अधिकारियों के

साथ भ्रमण किया और गंगा नदी के प्रवाह को देखते हुए आयोजन संबंधी बिंदुओं को देखा। भ्रमण में केडीए एवम सिंचाई विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे आयोजन स्थल के निरीक्षण के उपरांत डॉक्टर राजशेखर ने सभी बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए बताया की कानपुर बोट क्लब के उदघाटन अति भव्य स्तर पर किया जाना है, और इसी तैयारी के क्रम में उद्धघाटन से पूर्व नदी पर्यटन गतिविधियों और जल क्रीड़ा के प्रदर्शन आयोजन किए जा रहे है, जिससे नगर की जनता रोमांचक खेलो तथा बोट क्लब गतिबिधियो के बारे में जान सके। और विधिवत संचलन आरंभ उपरांत गंगा के तट पर रोमांच की अनुभूति का अनुभव करे। बोट क्लब सचिव नीरज श्रीवास्तव ने बताया की यह आयोजन प्रातः काल। एवम संध्या काल, दो सत्र में होंगे, सुबह के सत्र में 6 बजे से 9 बजे तक, मुख्य रूप से समुद्र के तटों में दिखने वाली रंगबिरंगी क्याक बोट, कनोए बोट, रोइंग बोट्स तथा ड्रैगन बोट्स पीएसी बैंड की धुन में नदी में मार्च पास्ट करेंगी उसके पश्चात इन खेलों के लगभग 60 खिलाड़ी अलग अलग इवेंट के रूप में जल क्रीड़ा के प्रदर्शन करेंगे। संध्या सत्र 5 बजे से 7. 30 बजे तक ड्रैगन बोट्स, वाटर स्कीइंग ,तथा स्पीड बोट्स के प्रदर्शन होंगे। बनारस की। तर्ज पर नदी के तट पर ही गंगा गीत और भजन के कार्यक्रम के साथ गंगा।आरती का आयोजन होगा। उत्तर प्रदेश कयाकिंग कनोइंग। एसोसिएशन के सचिव डी पी सिंह ने बताया। की कानपुर बोट क्लब प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्र स्तरीय बना है,भविष्य में में यहां राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताएं, अंतर्राष्ट्रीय आयोजन से पूर्व, अभ्यास कैंप लग सकेगें, उन्होंने बताया की इस आयोजन में प्रयागराज बोट क्लब और। उ प्र कयाकिंग कनोए एसोसिएशन।के लगभग 40 खिलाड़ी, रोइंग एवम पुलिस स्पोर्ट्स के लगभग 25 खिलाड़ी भाग लेंगे अंडर वॉटर स्पोर्टस के विशेषज्ञ सुमित घोष ने कहा कि यह पर अंडर वॉटर स्पोर्ट्स के। आयोजन के लिए भी प्रयास करेगें। तकनीकी समिति के सदस्य एस एम भट्ट ने बताया की प्रदर्शन आयोजन विशेषज्ञों के देखरेख में। आयजित किए जायेगे और अब ग्रीनपार्क के क्रिकेट के बाद यहां जल क्रीड़ा की प्रतिभाएं भी प्रशिक्षण ले सकेंगी। आयुक्त राजशेखर ने सिंचाई विभाग के अधिकारीयो को बोट क्लब के।नदी तट की जलकुंभी इत्यादि की सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं को किए जाने के आदेश दिए।12 जून के ट्राइयल के उपरांत बोट क्लब का शुभारम्भ और संचालन हेतु उचित तिथि तय किया जाएगा।

कानपुर की मुख्य सबको का होगा सेफ्टी आडिट : डा. राजशेखर (मंडलायुक्त)

संवाददाता/प्रकाश वीर आर्य

कानपुर। शहर के विकास को नई गति और दिशा देने के लिये कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2051 तक की आवश्यकताओं/इन्फ्रास्ट्रक्चर के दृष्टिगत कन्सल्टेन्ट मेसर्स ट्रैक्टेबल इंजीनियरिंग प्रा0लि0 द्वारा सिटी डेवलपमेण्ट प्लान तैयार कराया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक क्षेत्र चाहे व कॉमर्शियल, रेजीडेन्सियल, रिंग रोड, डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर हो, सभी को ध्यान में रखते हुये कार्यवाही की जा रही है। इस हेतु प्राधिकरण द्वारा विगत चार माह से कन्सल्टेन्ट के माध्यम से तैयार कराये जा रहे सी0डी0पी0 का प्लान एक स्तर तक तैयार कर लिया गया है। उक्त तैयार किये गये विजन प्लान का मण्डलायुक्त के समक्ष 21 मई .2022 को प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसमें शहर के समस्त स्टेकहोल्डर्स, सरकारी विभागों में नगर निगम, के0डी0ए0, जिला प्रशासन, एन0एच0ए0आई0 आदि तथा प्राइवेट सेक्टर में मर्चेण्ट चेम्बर एसोसिएशन के सदस्य, आई0आई0ए0 के सदस्य, सी0आई0आई0 के सदस्य, होटल मालिकों, ट्रान्सपोर्टस, एक्सपोर्टस, रियल स्टेट डेवलपर्स, शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित व अनुभवी शिक्षाविदों आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। अरविन्द सिंह, उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2051 में नगर की आबादी व स्वरूप को देखते हुये यू0पी0 कैपिटल रिजन के सिद्धान्त पर बल दिया गया। इनके द्वारा विशेष रूप से इस बात पर बल दिया गया कि सी0डी0पी0 में इस तथ्य को इन कारपोरेट किये जाने की आवश्यकता है कि लखनऊ-कानपुर-उन्नाव को उत्तर प्रदेश के कैपिटल रिजन के रूप में विकसित किया जाये' इससे नगर में उद्योगों व उद्यमियों का पुनः विकास हो सकेगा। कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित ₹न्यू कानपुर सिटी₹ योजना के साथ 'नॉलेज सिटी' का विकास, नगर के पश्चिमी ओर किये जाने

रैपिड रेल मेट्रो कानपुर एवं लखनऊ एयरपोर्ट से सीधे जोड़े जाने की हुई चर्चा

का प्रस्ताव रखा तथा चकेरी के निकट लॉजिस्टिक्स एण्ड हॉस्पिटेलिटी हब तथा नगर के दक्षिणी भाग में नये उद्योगों के लिये सुविधायें विकसित किये जाने का दूरगामी विकास के लिये उपयोगी बताया। इस दौरान आयुक्त ने प्रतिभाग करने वाले उद्यमियों, रियल स्टेट डेवलपर्स, ट्रान्सपोर्टर्स, एक्सपोर्टर्स, इण्डस्ट्रीयलिस्ट व अन्य गणमान्य लोगो के फीडबैक के लिये एक प्रपत्र भी दिया तथा सभी को अतिरिक्त पेपर सीट भी दी, ताकि सभी वर्गों का फीड बैक प्राप्त किया जा सके। उपरोक्त प्रस्तुतिकरण के दौरान लखनऊ एअरपोर्ट व कानपुर एअरपोर्ट को रैपिड रेल मेट्रो से सीधे जोड़े जाने पर चर्चा की गयी तथा बिठूर धाम के पौराणिक महत्व को और व्यापक रूप में प्रचारित करने, अयोध्या धाम से सीधे जोड़े जाने तथा इसे विशेष पौराणिक व पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किये जाने की अवधारणा पर जोर दिया गया। मण्डलायुक्त द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों का रोड सेफ्टी आडिट कराये जाने तथा यात्री सुविधाओं के साथ इनको पुर्नविकसित किये जाने पर बल दिया गया तथा मेट्रो का और अधिक विस्तार करके मॉस पब्लिक ट्रान्सपोर्ट सिस्टम का दायरा बढ़ाये जाने का प्रस्ताव दिया गया। प्रस्तावित रिंग रोड के राजमार्ग से मिलान बिन्दुओं पर हर राज्य मार्ग पर बस स्टेशन व लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किये जाने हेतु चर्चा की गयी। कानपुर शहर में वाहनों के आवागमन एवं उससे लगने वाले जाम को ध्यान में रखते हुये शहर के बाहरी क्षेत्रों में ट्रकों की पार्किंग, लोडिंग व अनलोडिंग की सुविधा पे एण्ड यूज पद्धति पर विकसित किये जाने का भी प्रस्ताव दिया गया। साथ ही गंगा रिवर फ्रन्ट के विकास पर चर्चा की गयी। अन्त में उपाध्यक्ष, का0वि0प्रा0 द्वारा आयुक्त व समस्त स्टेकहोल्डर्स एवं अन्य उपस्थित गणमान्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा कहा गया कि समस्त स्टेकहोल्डर्स के साथ मीटिंग्स की श्रृंखला आगे भी जारी रहेगी। प्राधिकरण में इनको बुलाकर लगातार मीटिंग्स की जायेगी, जिससे प्रत्येक एडवाइज/परामर्श को इन कारपोरेट करते हुये बेस्ट सी0डी0पी0 तैयार किया जा सके।

भीलवाड़ा में मंजीतपाल सिंह सांवराद के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

लोगों में राजनीति की अटकलें तेज, जगह-जगह किया गया भव्य स्वागत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान में रावणा राजपूत समाज के उभरते युवा नेता मंजीत पाल सिंह सांवराद का भीलवाड़ा दौरा 200 गाड़ियों के काफिले के साथ भीलवाड़ा पहुंचा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आसींद विधायक जब्बर सिंह सांखला, विशिष्ट अतिथि पहाड़ सिंह कुंडल, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयोजक गोपाल सिंह कानावत ने की। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र सिंह आसींद ने किया। मंजीत पाल सिंह सांवराद का जैसे ही मेवाड़ की धरती पर आगमन हुआ वैसे ही जगह-जगह 36 कौम के लोगों के द्वारा पुष्प वर्षा कर के तलवार भेंट करके साफा व माला पहनाकर के भव्य स्वागत किया गया। उनकी सुरक्षा के लिए उनके साथ उनके निजी सिक्योरिटी गार्ड भी मौजूद रहे। उन्होंने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर महाराणा प्रताप को नमन किया। इसके बाद उनका काफिला जैसे ही आगे बढ़ा उनका जगह जगह पर रास्ते में पुष्प वर्षा कर के भव्य स्वागत किया गया। भीलवाड़ा पहुंचने पर 11 किलो पुष्प हार के साथ समाज के सभी संगठनों के संयुक्त सहयोग से भव्य स्वागत किया गया। उनके काफिले को देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई राष्ट्रीय नेता आज भीलवाड़ा की धरती पर आ रहा है। मंजीत पाल सिंह सांवराद ने जैसे ही अपना उद्बोधन शुरू किया समाज के लोगों ने आनंदपाल सिंह अमर रहे के नारों से क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। मंजीत पाल सिंह ने सभी को भरोसा दिलाते हुए कहा कि समाज के भाई बंधुओं को जब भी मेरी जरूरत होगी, मैं आगे की पंक्ति में खड़ा मिलूंगा। उन्होंने 36 कौम के साथ स्नेह और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया। उनके गाड़ियों का काफिला और स्वागत को उमड़े 36 कौम के लोगों की भीड़ को देखकर ऐसा नजारा देखने को मिला जैसे कोई राष्ट्रीय स्तर का नेता पहुंचा है। जगह जगह पर समाज बंधुओं के साथ ग्रामीणों की भीड़ स्वागत के लिए आतुर नजर आई। इस अवसर पर जिला संयोजक कोठाज सरपंच गोपाल सिंह कानावत, आनन्दपाल अपघात सेवा समिति जिला अध्यक्ष हरिकिशन सिंह कानावत, जिला सचिव नरेंद्र सिंह गुड्डा, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी मानसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष मदन सिंह टाक, सह कोषाध्यक्ष गोपाल सिंह माता जी का खेड़ा, अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान के पुर्व जिला अध्यक्ष समुद्र सिंह सोलंकी, राम सिंह चौहान, खेल मंत्री रतन सिंह राणावत बाबू सिंह राणावत सर्व सेवा संस्थान के जिलाध्यक्ष भंवर सिंह भाटी, अजय सिंह चौहान, संरक्षक भैरू सिंह भाटी, गोपाल सिंह राठौड़, भैरू सिंह राठौड़ ललित सिंह भाटी डाबला छोटू सिंह डाबला मनोज सिंह गुलाबपुरा महेंद्र सिंह गुलाब का भैरु सिंह, त्रिवेणी स्वराज सिंह माल का खेड़ा, नारायण सिंह केरिया, राजेंद्र सिंह जादव लुहारिया इत्यादि सैकड़ों समाज जन मौजूद थे।

सिंदखेड राजा को विकास की योजना बनाते समय स्थानीय लोगों का सहयोग लेना चाहिए: उपमुख्यमंत्री

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। राष्ट्रमाता माँ जिजाऊं का जन्म स्थान सिंदखेड राजा का विकास करना सरकार का पहला कर्तव्य है। इस विकास को करते समय स्थानीय नागरिकों के सहयोग से विकास योजना बनानी चाहिए। यहां विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होगी। हालांकि, जो काम किया जाना चाहिए वह उत्कृष्ट गुणवत्ता का होना चाहिए, ऐसे निर्देश आज उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने दिए। सिंधखेड राजा विकास योजना और जिले के विकास कार्यों की समीक्षा सिंधखेड़ राजा स्थित पंचायत समिति हॉल में की गई। इस दौरान पालकमंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे, आमदार किरण सरनाईक, जिल्हाधिकारी एस रामामूर्ती, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाग्यश्री विसपुते, जिल्हा पोलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया, ॲड नाझेर काझी आदि उपस्थित थे। पवार ने कहा कि सिंधखेड़ राजा को विकसित करते समय निश्चित योजना बनाकर उसके अनुरूप विकास कार्य कराए जाएं। यहां के विकास कार्यों को कराने में पुरातत्व विभाग की भूमिका अहम है। ऐतिहासिक संदर्भ के अनुसार यहां की इमारतों का संरक्षण किया जाना चाहिए। अगर इस जगह का समग्र विकास होता है तो यहां की तस्वीर बदल जाएगी और यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आएंगे। उनके लिए अच्छी गुणवत्ता का बुनियादी ढांचा स्थापित करने का कार्य विकास योजना के माध्यम से किया जाना चाहिए। इस स्थान पर हो रहे विकास के कारण पर्यटकों को पूरा पर्यटन करने में दो दिन का समय लगेगा। उनके आवास की व्यवस्था उसी के अनुसार की जानी चाहिए। पर्यटन स्थलों के विकास से पहले इन स्थलों के पास के अतिक्रमण को हटाया जाए। साथ ही भूमि अधिग्रहण तत्काल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि सिंधखेड राजा में पर्यटन के कारण व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और लोनार-शेगांव जैसी जगहों को सिंधखेड राजा से जोड़ा जाना चाहिए। पर्यटन स्थलों को विकसित करते समय स्थानीय लोगों की मदद लेनी चाहिए। इस बात पर भी जोर दिया जाना चाहिए कि ये कार्य उत्कृष्ट गुणवत्ता के होने चाहिए। सिंधखेड राजा में ऐतिहासिक वस्तुओं को संरक्षित करते हुए इन संरचनाओं को फिर से क्षतिग्रस्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में यह कार्य किया जाना चाहिए। चूंकि यह जिजाऊ का जन्मस्थान है, इसलिए चरणबद्ध तरीके से अधिक से अधिक धनराशि दी जाएगी। उन्होंने ऐतिहासिक स्थलों पर मराठी, हिंदी और अंग्रेजी में सूचना बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए।

एडवोकेट गौड़ प्रदेश विधि सलाहकार व प्रदेश चुनाव समिति प्रमुख बने

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला ने विधान में वर्णित अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए पीरु सिंह गौड़ एडवोकेट को प्रदेश विधि सलाहकार व प्रदेश चुनाव समिति प्रमुख पद पर मनोनीत किया। इसके लिए गौड़ को कई इष्ट मित्रों व शुभचिन्तकों ने बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तर प्रदेश में सभी परिवारों का बनेगा परिवार कल्याण कार्ड

संवाददाता/अरमान उल हक

लखनउ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सभी परिवारों को अब यूनिक आईडी कार्ड देने जा रही है। 'परिवार कल्याण कार्ड' से प्रदेश के सभी परिवारों को जोड़ने की योजना तैयार की गई है। 12 अंकों वाले कार्ड से सरकारी योजनाओं को जोड़ा जाएगा।किस परिवार को किस योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं मिल रहा है। यह पता लगाने में इससे आसानी होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम योगीआदित्यनाथ के सामने पिछले सप्ताह एक प्रजेंटेशन दी गई है, जिसमें इसका पूरा ब्यौरा पेश किया गया। फैमिली कार्ड के लिए राशन कार्ड के डेटा को आधार बनाया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने कहा, यदि हम राशन कार्ड को आधारा बनाते हैं, तो कुछ ही दिनों में 60 फीसदी परिवार इससे जुड़ जाएंगे। प्रयागराज में इसे पायलट प्रॉजेक्ट के तौर पर लागू किया गया था।कार्ड कार्ड डेटा के आधार पर सरकार ने लाभार्थी परिवारों की पहचान की। इसने सरकार को यह भी डेटा उपलब्ध कराया कि किन परिवारों को सरकार की किसी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि इस कार्ड से फर्जी कार्डों पर रोक लगेगी और एक ही परिवार को बार-बार किसी योजना का लाभ मिलना बंद होगा। उन परिवारों को योजनाओं का लाभ मिलेगा, जो अभी तक वंचित रहे। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सत्ता में आने पर हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का वादा किया था। फैमिली कार्ड के जरिए सरकार यह तय कर पाएगी कि किस परिवार को रोजगार मिल गया है और किस परिवार के किसी सदस्य के पास रोजगार नहीं मिला है।

देवी देवताओं का अपमान करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, पर पुलिस कार्यवाई नहीं

वरिष्ठ अधिवक्ता तोमर ने आईजी व एसपी को की शिकायतें

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान यूँ तो पुलिस की कारवाही ना करने की ढेरों शिकायतें अक्सर मिलती रहती हैं पर संज्ञेय और गंभीर प्रकृति के अपराध में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस का कार्यवाही ना करना जाँच अधिकारी की लापरवाही व नाकामी तथा आरोपियों सें उनकी मिलीभगत को स्पष्ट दशार्ता हैं! ऐसा ही एक मामला जिला सवाईमाधोपुर के मांनटाऊन थाने का सामने आया हैं! हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय प्रमुख और दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट राजेन्द्र सिंह तोमर उर्फ राजा भईया ने पिछले दो माह पूर्व दिनांक 25 मार्च 22 को एक एफआईआर नम्बर 114/22 संज्ञेय अपराध मे धारा 295 ए के तहत हिन्दुओं के देवी देवताओ का अपमान करने वालों के विरुद्ध उनके नाम पतों सहित सभी दस्तावेज पेश कर सबूतों सहित उपरोक्त थाने मे दर्ज कराई थी! शिकायतकर्ता क्योंकि स्वयं वकील हैं इसलिए उनकी एफआईआर तो थोड़ी आना कानि के बाद दर्ज कर ली गई परन्तु उसमें भी कई कमियाँ जान बूझ कर छोड़ दी गई! शिकायत में आरोपियों के नाम पते दिए गए थे पर जान बूझ कर उनको एफआईआर के

कॉलम में दर्ज नहीं किया गया, मुकदमा तो धारा 295 ए के तहत दर्ज किया गया पर लापरवाही करते हुए पुलिस कार्यवाही में धारा 295 ए की जगाह धारा 395 ए लिखा गया एफआईआर की प्रति मिलते ही इस बात की शिकायत एडवोकेट तोमर ने तुरंत दिनांक 01-4-22 को लिखित में जिले के एसपी को की उस पर तो लापरवाह पुलिस कर्मियों के खिलाफ कोई कार्यवाही हुई या नहीं ? परन्तु आज तक इस प्रकरण में ना तो किसी आरोपी को कोई नोटिस थाने के जाँच अधिकारी एएसआई हरसुख ने दिया और ना ही अभी तक किसी भी आरोपी को इस मामले में गिरफ्तार ही किया हैं! क्योंकि मामला दो बड़ी कम्पनीयों व उनके मालिकों के विरुद्ध दर्ज हैं इसलिए इस मामले में जाँच अधिकारी पूरी तरह सें लापरवाही व टाल मटोली बरत रहे हैं और दोषियों को बचाया जा रहा हैं इस बाबत मजबूरन शिकायतकर्ता ने अब पुनः भरतपुर रेंज के आईजी और जिले के पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायतें कर आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कराने और दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध भी विभागीय व कानूनी कार्यवाही करने की मांग की हैं इस बाबत राजेन्द्र सिंह तोमर ने उपरोक्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारीयों को दी गई शिकायतों और दर्ज एफआईआर की प्रतियां राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को देते हुए इस बात का खुलासा किया हैं अब देखना होगा की उनकी शिकायत पर कब तक और क्या करवाहियाँ की जाती हैं? क्या लापरवाह पुलिस कर्मियों को भी कोई सजा मिलेगी या हर मामले की तरह उन्हें बचाया जायेगा! और दोषियों को आखिर कब तक गिरफ्तार कर कानून के हवाले किया जायेगा? अधिकतर मामलों में पुलिस की लापरवाही ही शिकायतकर्ता को सालों न्याय दिलाने और दोषियों को सजा दिलाने दूर रखती हैं।

कानपुर में फांसी पर लटका शादी नहीं कर पाने परेशान प्रेमी युगल

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां शादी नहीं कर पाने से हताश निराश और परेशान प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के तेजपुर गांव में हुई। जहां प्रेमी की शादी दूसरी जगह तय हो गई थी और 21 जून को बरात जानी थी। पुलिस ने घटना की छानबीन शुरू की है। पुलिस के मुताबिक तेजपुर गांव निवासी राकेश संखवार के 19 साल के बेटे प्रशांत का गांव की युवती से बीते डेढ़ साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रशांत की शादी सलामतपुर गांव में दूसरी लड़की से तय हो गई थी। इसी के चलते प्रेमी युगल ने आज सोमवार भोर पहर गांव के बाहर चंवर-स्योंढारी संपर्क मार्ग पर बगीचे में बेरी के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस को प्रशांत और रोशनी के स्वजनों ने बताया कि उन्हें प्रेम प्रसंग का पता था। इसके लिए दोनों के घरवालों ने शादी कराने की बात भी की थी। तब प्रशांत और रोशनी शादी को राजी नहीं हुए थे। इसके बात प्रशांत की शादी तय कर दी गई थी और तैयारियां चल रही थीं। अचानक दोनों ने फांसी लगा ली। मजदूरी करने वाला प्रशांत कल रविवार शाम तीन बजे से घर से गायब था। घर में गजनेर जाने की बात कहकर निकला था और रात को भी नहीं लौटा। रात 10 बजे तक रोशनी भी मेहंदी लगा रही थी। सुबह दोनों के शव फंदे पर लटके मिले। पुलिस ने बताया कि मामले में छानबीन की जा रही है।

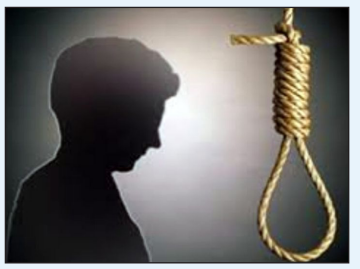

बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई सीतामढ़ी का हुआ गठन: प्रदेश अध्यक्ष नवल किशोर सिंह

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री नवल किशोर सिंह ने प्रेष कांफ्रेंस करते हुए कहा कि बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ हमेशा शिक्षकों के हितार्थ काम कर रही है और हमेशा करती रहेगी अभी संघ बिहार के अप्रशिक्षित शिक्षकों के वाजिब हक और हकुक की लड़ाई लड़ रही है बिहार के नियोजित शिक्षकों का एकलौता संगठन है जो अप्रशिक्षित शिक्षकों के वेतन भुगतान, पदमुक्त की कारवाई पर रोक और जो अप्रशिक्षित शिक्षक सेवामुक्त किये जा चुके हैं उन्हें फिर सेवा में बहाल करने हेतु पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर दिनांक 23.03.2022 से दिनांक-26.03.2022 तक धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा धरना के पहले ही मुख्यमंत्री सचिवालय ये वार्ता करने हेतु बुलाया गया और मुख्यमंत्री सचिवालय के उप सचिव से हमारी वार्ता हुई और हमने धरना प्रदर्शन किया और उसमें हमें सफलता मिली सेवामुक्त की कारवाई पर सरकार ने रोक लगाया और 11.05.2022 को माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा अप्रशिक्षित शिक्षकों का वेतन भुगतान करने हेतु आदेश पारित किया गया इस सम्बंध में हमारे प्रदेश प्रवक्ता मशकूर आलम और प्रतिनिधि मंडल ने वेतन भुगतान करने हेतु दिनांक-20.05.2022 को प्राथमिक शिक्षा के निदेशक से सचिवालय पटना में भेंट कर वार्ता किया निदेशक महोदय ने वेतन भुगतान करने हेतु पत्र प्रेषित करने के लिए एक सप्ताह का समय लिया है अगर माननीय उच्च न्यायालय पटना के आदेशालोक में भुगतान नही किया गया तो संगठन राज्यव्यापी आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी उन्होंने आगे कहा के बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई सीतामढ़ी का गठन कर दिया गया है सुमन कुमार मिश्रा को जिला संयोजक बनाया गया है सुमन कुमार मिश्र से आशा है के संगठन के हितार्थ हमेशा काम करेंगे और सीतामढ़ी के प्रत्येक प्रखण्ड में संगठन का प्रखण्ड अध्यक्ष एवं अन्य पद पर इमानदार और कर्मठ साथी का चुनाव करेंगे हम आशा करते हैं के आप सीतामढ़ी में संगठन का विस्तार करेंगे संगठन हमेशा आप के साथ है और हमेशा रहेगा।

माँ याद तेरी ज़िंदगी का साज बनकर रह गई, दिल की हर धड़कन तेरी आवाज बनकर रह गई

वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी की कलम से

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान जीवन में माँ के खोने का गम, बिछुड़ने की त्रासदी, आंचल के आगोश में सोने का सकूँ, काश माँ तु लौट कर आए कुछ ऐसी ही दिल की तमन्ना हैं! जीवन में माँ के चले जाने के दर्द-ए-गम को श्रीगंगानगर की वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी ने जिस तरह से शब्दांकित किया हैं वाकई वो काबिलेतारीफ हैं! पुष्पा भाटी लिखती हैं कि -

मां के बिछुड़ने का दर्द भी अजीब होता हैं!
जब भी खुद के बारे में सोचती हूँ।
मां की यादो में खो जाती हूँ,
बहुत दूर जाना चाहा पर दूर नही जा सकती!
यादें जब आने लगती हैं
किसी को याद नही रख पाती,
गहरी उदासी से इन्कार करती हूँ!
भूल जाऊँ उन गुजरे लम्हों को,
जो गुजरे थे मां के संग संग!
जब भी कोशिश करती हूँ माँ की गोद में खुद को पाती हूँ,
उन्होने कहा था जो आया हैं उसने तो जाना ही हैं!
अब तो उन्हीं की यादों में जिन्दगी को थाम रखा हैं,
लौट कर आते भी नहीं! बस आंसुओ की ठंडक में खुद को समेट रखा हैं, इस तरह जिन्दगी भी गुजर जानी हैं!
उनको याद करते करते
अब बर्दाश्त नही होते
विरह के दंश!
अब ऐसा न हो तब तलक उनकी यादों के झुरमुट में,
गुमसुम सी हो गई ये जिंदगी अपनी!
काश माँ तु लौट के आ जाए
मेरी सुनी आँखों में जिंदगी जीने की आस जगा जाए!

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मिनटों में दूर करें थकान और तनाव

आजकल के बिजी शेड्यूल के कारण लोगों को थकान और तनाव की समस्यां होती जा रही है। इससे शरीर टूटने, सिर दर्द, कमर दर्द और अनिद्री जैसी प्रॉब्लम हो जाती है। इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए अब आपको डॉक्टर या दवाई लेने की जरुरत नहीं। बल्कि इसके लिए अब आप बॉडी मसाज का सहारा ले सकते है। बॉडी मसाज से आपको इन सब समस्याओं से तुरंत ही छुटकारा मिल जाएगा। बस आपको इसके लिए टाइम निकालने की जरुरत पड़ेगी।

1. तनाव से राहत

मसाज करने से स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है जिससे तनाव से राहत मिलती है। मसाज करते समय प्रेशर प्वाइंट्स पर दबाव पड़ता है जिससे पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ-साथ शरीर की कार्यक्षमता भी बड़ जाता है। और आप बेहतर महसूस करने लगते है।

2. रक्त संचार

मसाज थेरेपी शरीर पर प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करती है, इससे मांसपेशियों को राहत मिलती है और रक्त संचार बेहतर होता है। जिससे सिर दर्द और कमर दर्द की शिकायत नहीं रहती।

3. वजन घटना

आजकल तो जिम में भी वजन कम करने के लिए बॉडी मसाज पर जोर दिया जाता है। इससे शरीर की नसा कम होती है और थकान भी दूर हो जाती है। इसके अलावा इससे शरीर लचीला बनता है और मांसपेशियों में होने वाली परेशानी भी कम हो जाती है।

4. गहरी नींद

ज्यादा काम करने के आप अच्छी नींद नहीं ले पाते जिससे आपको अनिंद्रा की प्रॉब्लम के साथ-साथ और कई तरह की समस्याएं हो जाती है। बॉडी मसाज करने से आपको नींद अच्छी आती है और आपको थकान और तनाव जैसी समस्याएं नहीं होती।

5. सूजन की समस्यां

बॉडी में सूजन की समस्यां होने पर उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। ऐसे मसाज करने से सूजन वाले हिस्से की नसों पर दबाव बढ़ता है और सूजन कम होती है। इसके अलावा चेहरे पर मसाज करने से आपकी त्वचा साफ, शुष्क और हाइड्रेटिड होती है, जिससे आपके चेहरे की खूबसूरती और भी बड़ जाती है।

बालों से लेकर स्किन तक, भिंड़ी मास्क करें इस्तेमाल

भिंडी की सब्जी खाना तो हर कोई पंसद करता है। इसमें मौजूद फाइबर, मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन, पोटाशियम और विटामिन जैसे पोषक तत्व सेहत के लिए बहुत लाभदायक होते है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि भिंड़ी सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि चेहरे और बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसमें एंटी बैक्टीरियल और औषधीय गुण होते है जो स्किन के साथ-साथ बालों की प्रॉब्लम को भी दूर करते है। आइए जानते है किस तरह भिंडी चेहरे और बालों की समस्याओं को दूर कर सकती है।

1. मुहांसो पर असरदार

धूप में ज्यादा रहने से आपकी स्किन खराब हो जाती है। धूप के कारण चेहरे पर मुंहासे, ड्राई स्किन, त्वचा संबंधी संक्रमण, एजिंग और डलनेस जैसी समस्याएं हो जाती है। इन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर चोहरे पर लगा सकती है। इसे लगाने से त्वचा निखरी, बेदाग और खूबसूरत हो जाएगी।

2. भिंडी का मास्क

चेहरे पर से झुर्रियां हटाने के लिए भिंडी बहुत ही अच्छा मॉइस्चराइजर है। इसके लिए भिंडी को ब्लेडर में अच्छी तरह पीसकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को 15-20 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ठंडे पानी से मुंह धो लें। रोजाना इसको लगाने से थोड़े ही दिन में इसका असर दिखने लगेगा।

3. भिंडी की जेल

इसके एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन के रैशेज और इंफेक्शन को खत्म कर देते है। इसके लिए भिंडी को काट कर आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इस लिक्विड को कॉटन के साथ चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद चेहरा धो लें। इससे स्किन बेदाग और निखर जाएगी।

4. चमकदार बाल

चेहरे के साथ-साथ भिंडी बालों पर भी बहुत असरदार है। स्कैलप पर भिंडी की जेल लगाने से ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है। इसके लिए भिंडी को काट कर पानी में उबाल लें। ठंडा होने पर इसमें नींबू का रस मिलाकर शैंपू के बाद इसके पानी से बालों को धोएं। हफ्ते में 3-4 बार ऐसा करने से बालों में डैडंफ की समस्यां दूर हो जाएगी और बालों की ग्रोथ भी अच्छी होगी।

5. स्कैल्प मॉइस्चराइजर

स्कैल्प मॉइस्चराइजर बनाने के लिए भिंडी को काट कर पानी में उबालें। इसे गाढ़ा चिपचिपा होने तक पकने दें। इसके बाद इसको छान कर इसमें एक चम्मच शहद और ऑयल डाल दें। ऐसा करने से यह कर्ली और उलझे हुए बालों के लिए एक बहुत अच्छा मॉइस्चराइजर बन जाएगा। इसके अलावा इससे डैडंफ की समस्यां भी दूर हो जाएगी।

गालों को बनाना है गोल-मटोल तो अपनाएं ये तरीके

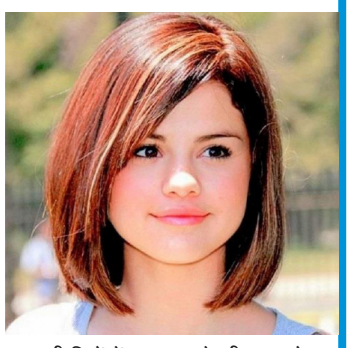

चेहरे का आकर्षण होती है आंख, नाक, होंठ और गाल। अगर इन चार चीजों की सुंदरता में कमी आ जाए तो पूरे चेहरे की खूबसूरती कम लगने लगती है। बहुत सी लड़कियों की समस्या होती है पिचके गाल। गाल वहीं अच्छे लगते है जो हमारी हंसी को खूबसूरत बना दें। जब गाल अंदर को पिचक जाते है तो जबड़े की हड्डी या त्वचा उभरी हुई दिखाई देने लगती है जिससे चेहरा भद्दा सा दिखने लगता है। लड़कियां अपने गाल को गोलमटोल बनाने के लिए कई ट्रीटमेंट और तरीकों का सहारा लेती है लेकिन को फायदा नजर नहीं आता। अगर आप भी अपने गालों को गोल-मटोल बनाना चहती है तो इस तरीकों को जरूर आजमा कर देखें। शायद यह आपके काफी काम आएं।

गालों को गोल-मटोल बनाने के लिए योग

- कुर्सी या टेबल के सहारे अपनी पीठ बिल्कुल सीधा करके बैठ जाएं। अब जितना मुंह खोल सकते है खोल लें। अब अपने हाथों से दोनों गालों को पकड़कर खींचे। 3द सेकेंड तक ऐसा करें। फिर पहले वाली स्थिति में वापिस आ जाएं। इस एक्सरसाइज को करने से गाल उभरने लगते है।
- एक मिनट तक मुंह को गुब्बारे की तरह ही फुलाकर रखें। दिन में 3 बार ऐसा करें। इससे कुछ ही दिनों में गाल गुब्बारे की तरह गोल-मटोल बन जाएंगे।

कुछ घरेलू उपाय

बादाम तेल

बादाम या सरसों के तेल से गालों की मसाज करें। मालिश को कम से कम 5 मिनट तक रोजाना करें। इसी के साथ धूम्रपान और शराब से परहेज करें।

मेथी

मेथी में एंटीऑक्सीडेंट और विटमिन होते हैं जो त्वचा की झुर्रियां और लटकती त्वचा से निजात दिलाते हैं और पिचके गालों का परफैक्ट शेप देते है। रात को मेथी पानी में भिगोकर रख दें और सुबह पेस्ट बनाकर गालों पर लगा लें। सूखने के बाद धो दें।

ग्लिसरीन

गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण से रोजाना अपने गालों की मसाज करें। इससे भी उन्हें परफैक्ट शेप मिलेगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शादी के सवाल पर कियारा आडवाणी का जवाब

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के रिलेशनशिप में होने की खबरें पिछले काफी वक्त से उड़ रही हैं। हालांकि अपने रिश्ते को लेकर ये कपल खामोश ही रहा है लेकिन बावजूद इसके फैंस में इस जोड़ी को लेकर इंट्रेस्ट बना रहा है। 'शेरशाह' फेम इस कपल के बारे में अभी तक कई तरह की खबरें आ चुकी हैं लेकिन हाल ही में जब कियारा आडवाणी से सीधे तौर पर शादी करके सेटल होने का सवाल किया गया तो जानिए कि उन्होंने इसका क्या जवाब दिया। मल्टीस्टारर फिल्म 'जुग जुग जियो' में कियारा आडवाणी ने फीमेल लीड रोल प्ले किया है और फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब कियारा से सेटल होने के बारे में सवाल किया गया तो करण जौहर ने बीच में टोकते हुए कहा, मेरी शादी के बारे में आपने कुछ नहीं पूछा, मैं 50 का होने जा रहा हूं। आपको क्या लगता है, मैं शादी के काबिल नहीं हूं? भइया हम भी शादी कर सकते हैं। पहले इस सवाल को हंसी मजाक की तरफ मोड़ दिया गया लेकिन फिर जब कियारा से सीधे तौर पर पूछा गया तो उन्होंने कहा, बिना शादी किए भी मैं वेल सेटल हो सकती हूं, हैं ना? मैं वेल सेटल्ड हूं, मैं काम कर रही हूं, कमा रही हूं, खुश हूं। बता दें कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी काफी वक्त से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं लेकिन शादी के सवाल पर दोनों ही खामोश रहे हैं।

सलमान खान ने जताई खुशी

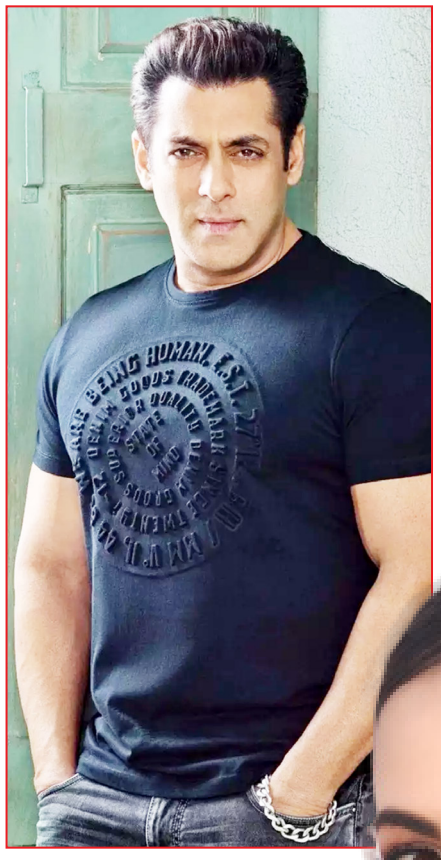

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी एक्टिंग से फैंस के दिलों में अपने हर किरदार की एक अलग छाप छोड़ जाते हैं। सलमान के किरदारों को असर लोगों पर सालों तक देखने को मिलता है। पिछले काफी वक्त से एक्टर ऐसी फिल्में करते नजर आ रहे है जो सोसाइटी के लिए कोई मैसेज देती है। साल 2010 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म दबंग में सलमान खान को पुलिस वाले के किरदार में फैंस ने काफी पसंद किया था। सलमान ने हाल ही अपने एक ट्वीट में खुशी जाहिर करते हुए बताया कि चुलबुल पांडे का सपना साकार हो गया है। उनका यह ट्वीट काफी वायरल हो रहा है। दरअसल, भारत सरकार ने एक पहल शुरू की है जिसके तहत पूरे भारत की पुलिस को और ज्यादा पीपल फ्रेंडली बनाया जाएगा। देश में पुलिस अधिकारियों की इमेज को सुधारने के लिए कैपिसिटी बिल्डिंग कमीशन के एक मेंबर प्रवीन परदेशी ने पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में बताया गया था कि किस तरह तेजी से समस्याओं का समाधान किया जाए। जिस पर सुपरस्टार सलमान खान का रिएक्शन आया है। प्रवीन परदेशी की पोस्ट को ट्वीट करते हुए सलमान खान ने लिखा, भारत सरकार ने पूरे भारत में पुलिस को और अधिक पीपल फ्रेंडली बनाने के लिए एक बड़ी पहल की शुरूआत की है। अब चुलबुल पांडे की आशा सच हुई। इसके साथ ही एक्टर ने प्रवीन परदेशी और पीएमओ इंडिया को टैग किया है।

विमान कंपनी पर दीया मिर्जा ने निकाला गुस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जहां उन्होंने अपनी आप बीती बताई कि किस तरह 3 घंटे तक वह विमान में फंसी रहीं और उस दौरान उन्हें कोई मदद नहीं मिली। दीया मिर्जा ने एयरलाइन कंपनी पर भड़कते हुए पूछा कि उनका सामान कहां है। इस परेशानी से ना केवल दीया बल्कि बाकी यात्रियों को भी जूझना पड़ा। उन्होंने बताया कि वह मुंबई से दिल्ली जा रही थीं, जहां विमान को जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई और 3 घंटे तक यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। दीया ने अपने ट्वीट में लिखा, यूके904 जो दिल्ली जा रही थी उसे जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। हम एयरक्राफ्ट के अंदर 3 घंटे तक इंतजार करते रहे। फिर हमें बताया गया कि उड़ान रद्द कर दी गई है और हमें उतरने के लिए कहा गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी या विस्तारा की ओर से कोई मदद के लिए या जवाब देने के लिए नहीं आया। हमारे बैग कहां है? दीया ने इस ट्वीट के साथ लिखा विस्तारा को टैग किया। दीया ही नहीं विस्तारा की फ्लाइट डायवर्ट करने पर ट्विटर पर कई यूजर्स ने शिकायत की। बता दें कि विस्तारा ने ट्वीट किया कि दिल्ली में मौसम खराब होने की वजह से विमान को डायवर्ट किया गया।